अयोध्या में प्लास्टिक कचरे से ईंधन बनेगा

पहल

■ अजित खरे

लखनऊ। उत्तर भारत का पहला सबसे बड़ा प्लास्टिक कचरे से ईंधन बनाने वाला प्लांट अयोध्या में लगेगा। यहां 20 टन क्षमता का प्लांट लगाने की तैयारी है। इसके लिए निजी कंपनी यहां दो चरणों में 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इस परियोजना से कूड़ा उठाने वाले व रिक्शे वालों को भी जोड़ा जाएगा और उन्हें भी बेहतर रोजगार मिलेगा। इस संयंत्र में रोजाना 20 टन प्लास्टिक कचरे का निस्तारण करने के लिए दो रिएक्टर लगाए जाएंगे।

100 करोड़ रुपये का निवेश कंपनी दो चरणों में करेगी

इनका कहना है

संयंत्र लगाने वाली कंपनी के निदेशक इमरान रिजवी का कहना है कि प्रथम चरण में यह योजना अयोध्या शहर में काम करेगी। इसके बाद दूसरे चरण में इसका विस्तार होगा। अयोध्या मंडल के अन्य जिलों के ब्लाकों में यह परियोजना काम करेगी। इस तरह की परियोजना से छुट्टा जानवरों खास तौर पर गाएं प्लास्टिक खाने से बच जाएंगी।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के बाद लाखों श्रद्धालुओं व पर्यटकों की संख्या में आएंगे। इस कारण शहर में बढ़े कचरे के निस्तारण के लिहाज से इसे खासा अहम माना जा रहा है।

इसके लिए अयोध्या में 100 कचरा संग्रह बाक्स लगेंगे। प्रत्येक बाक्स के संचालन के लिए एक महिला की नियुक्ति होगी। हर बाक्स से पांच बैटरी रिक्शे व 20 से 25 कचर बीनने वाले गरीबों को जोड़ा जाएगा। इसके लिए बंगलुरू की कंपनी एम के एरोमेटिक्स लिमिटेड यहां अयोध्या में प्लास्टिक कचरे से ईंधन बनाने के लिए संयंत्र लगाएगी। प्लास्टिक कचरे को एकत्र कर प्लांट में भेजा जाएगा। वहां रियक्टर में प्लास्टिक कचरे को 350 से 450 डिग्री सेल्सियस तापमान पर गर्म किया जाएगा। इससे हाइड्रोकार्बन बनेंगे। इसे क्रूड ऑयल बनेगा। इसके बाद क्रूड ऑयल को आटोमोटिव ग्रेड डीजल में तब्दील किया जाएगा है। इस डीजल का इस्तेमाल जनरेटर, ट्रैक्टर, पंप सेट, भारी मशीनरी व भारी वाहनों में होगा।